

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 205/2020

1. शमशेर पुत्र सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।

:- वादी

व न अ म

- 1 सरजीत पुत्र हरनाम जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
- 2 करणपालसिंह पुत्र सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
- 3 सरला पुत्री सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
- 4 राजबाला पुत्री सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री विनोद पुनियां एवं वकील प्रतिवादीगण श्री उम्मेद मोठसरा की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिकी डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं० 300/296 के मु० न० 118 के किला न० 17 ता 24, मु० न० 119 किला न० 25, मु० न० 136 के किला न० 5 ता 11, मु० न० 137 के किला न० 1 ता 4, कुल 3.744 है० वारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं 1 सरजीत के नाम दर्ज भूमि में वाद भूमि में प्रतिवादी सं 1 सरजीत का नाम कलमजन कर वादी व प्रतिवादी सं० 2 को वहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किये जावें। चूंकि प्रतिवादी सं० 3 व 4 ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं० 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं 1 शमशेर व प्रतिवादी सं० 2 करणपाल सिंह को वहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 24.12.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



सहायक कलक्टर
(फास्ट-ट्रैक) भादरा



R.A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला. हनुमानगढ

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 205/2020

अनवान :

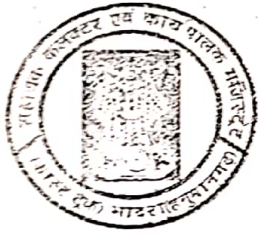
1. शमशेर पुत्र सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।

:- वादी

व न अ म

1. सरजीत पुत्र हरनाम जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
2. करणपालसिंह पुत्र सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
3. सरला पुत्री सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।
4. राजबाला पुत्री सरजीत जाट निवासी लाखनवास त० भादरा।

:- प्रतिवादीगण



दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरुस्ती

अन्तर्गत धारा 88 राज०काश्त०अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री विनोद पुनियां : वादी

वकील श्री उम्मेद मोठसरा : प्रतिवादीगण

निर्णय

दिनांक : 24/12/2020

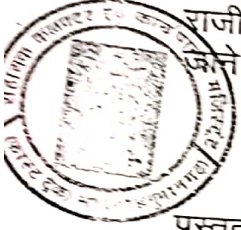
संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मौजा चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं० 300/296 के मु० न० 118 के किला न० 17 ता 24, मु० न० 119 किला न० 25, मु० न० 136 के किला न० 5 ता 11, मु० न० 137 के किला न० 1 ता 4, कुल 3.744 है० बाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं 1 सरजीत के नाम खातेदारी राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। व रोही चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं० 299/295 के मु० न० 69 के किला न० 11, 12, 19, 20, मु० न० 70 के किला न० 6, 7, 15, 16 कुल 2.024 है० बाराणी खातेदारी प्रतिवादी सरजीत के नाम से खातेदारी दर्ज है, व चक 10 जेएसएल के खाता सं० 81/81 के मु० न० 147 के किला न० 23 व 24 की कुल 0.506 है० में प्रतिवादी सरजीत के नाम 1/2 हिस्सा खातेदारी दर्ज है इसी प्रकार चक 9 जेएसएल के खाता सं० 101/98 के मु० न० 10 के किला न० 3 ता 8 कुल 1.518 है० में प्रतिवादी सरजीत के नाम 1/2 हिस्सा खातेदारी दर्ज है। जो पहले प्रतिवादी सं 1 के पिता हरनाम की खातेदारी हुआ करती थी। हरनाम के देहान्त होने पर उक्त भूमि को प्रतिवादी सं० 1 सरजीत ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि रोही चक 11 जेजीडब्ल्यू की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुखास्मत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादीगण एवं प्रतिवादी सं 1 ता 4 द्वारा आपसी सहमती से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादीगण गण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यू शमशेर पुत्र सरजीत के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी ग्राम 9 जेएसएल व 10 जेएसएल व 11 जेजीडब्ल्यू प्रदर्श 1 ता 5 है। वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सागडा प्रदर्श 3 पुरानी जमाबंदी चक 11 जेजीडब्ल्यू प्रदर्श 7 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादीगण ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादीगण डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।



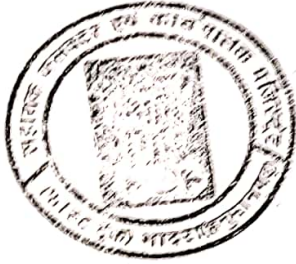
हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादीगण ने ग्राम चक 11 जेजीडब्ल्यू, 10 जेएसएल, 9 जेएसएल के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में जो सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी व वारिस प्रमाण पत्र मय शपथ पत्र प्रदर्श 6 प्रदर्शित करवाये। प्रदर्श 3 में वारिसप्रमाण पत्र में दो पुत्र शमशेर, करणपाल सिंह व दो पुत्री राजबाला व सरला के अलावा अन्य कोई वारिस होना नहीं बताया गया है। रोही मौजा चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं 300/296 के मु 0 न 118 के किला न 17 ता 24, मु 0 न 119 किला न 25, मु 0 न 136 के किला न 5 ता 11, मु 0 न 137 के किला न 1 ता 4, कुल 3.744 है 0 बरानी खातेदारी में प्रतिवादी सं 1 सरजीत के नाम खातेदारी राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। व रोही चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं 299/295 के मु 0 न 69 के किला न 11, 12, 19, 20, मु 0 न 70 के किला न 6, 7, 15, 16 कुल 2.024 है 0 बरानी खातेदारी प्रतिवादी सरजीत के नाम से खातेदारी दर्ज है, व चक 10 जेएसएल के खाता सं 81/81 के मु 0 न 147 के किला न 23 व 24 की कुल 0.506 है 0 में प्रतिवादी सरजीत के नाम 1/2 हिस्सा खातेदारी दर्ज है इसी प्रकार चक 9 जेएसएल के खाता सं 101/98 के मु 0 न 10 के किला न 3 ता 8 कुल 1.518 है 0 में प्रतिवादी सरजीत के नाम 1/2 हिस्सा खातेदारी दर्ज है। उनमें वाद भूमि रोही मौजा चक 11 जेजीडब्ल्यू, 10 जेएसएल व 9 जेएसएल के तीनों खातों की कृषि भूमि प्रतिवादी सं 1 का नाम यथावत रखते हुए रोही मौजा 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं 300/296 की वाद भूमि में प्रतिवादी सं 1 का नाम कलमजन कर वादी व प्रतिवादी सं 2 को बहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किये जावें। चूंकि प्रतिवादी सं 3 व 4 ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। इस प्रकार वादी व प्रतिवादी सं 1 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जावें। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैतृक सम्पत्ति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है।।


कियात्मक आदेश

अतः वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिक डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 11 जेजीडब्ल्यू के खाता सं 300/296 के मु 0 न 118 के किला न 17 ता 24, मु 0 न 119 किला न 25, मु 0

न० 136 के किला न० 5 ता 11, मु० न० 137 के किला न० 1 ता 4, कुल 3.744 हे० बरानी खातेदारी में प्रतिवादी सं 1 सरजीत के नाम दर्ज भूमि में वाद भूमि में प्रतिवादी सं 1 का नाम कलमजन कर वादी व प्रतिवादी सं० 2 को बहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किये जावें। चूंकि प्रतिवादी सं० 3 व 4 ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं० 2 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं 1 शमशेर व प्रतिवादी सं० 2 करणपाल सिंह को बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्या डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 24.12.2023 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(फास्ट ट्रेक) **भादरा**
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रेक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़